स्टार्टअप
इन्क्यूबेशन एंड
इनोवेशन सेंटर
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

अंक 3
संस्करण - 07

जुलाई 2024

टेक की बात

आसियान स्केलहब 2024 में एसआईआईसी: नवाचार, आकांक्षा, सशक्तिकरण

गुरु
मंत्र

श्री रोनी बनर्जी
सलाहकार, ईवाय (EY)

बजट 2024-25 में फूड टेक स्टार्टअप्स के लिए अवसर

केंद्रीय बजट 2024-25 ने भारत में खाद्य प्रौद्योगिकी स्टार्टअप्स के लिए एक बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए नई पहलों की घोषणा की है। सरकार खाद्य प्रसंस्करण, बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकी पर ध्यान देकर इस क्षेत्र को प्रोत्साहित करने और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में योगदान देने का प्रयास कर रही है।

खाद्य विकिरण इकाइयों और बड़े पैमाने पर सब्जी समूहों (क्लस्टरों) की स्थापना खाद्य सुरक्षा में सुधार, अपशिष्ट को कम करने और आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुव्यवस्थित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। ये पहलें स्टार्टअप्स के लिए अभिनव समाधान विकसित करने की अपार संभावनाएं प्रदान करती हैं।

प्रमुख बिंदुः

- ☑ किसानों, एफपीओ, सहकारी समितियों और खुदरा विक्रेताओं को जोड़ने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाने से आपूर्ति श्रृंखला की दक्षता बढ़ती है, अपशिष्ट घटता है और उचित मूल्य प्राप्त होता है।
- ☑ कृषि में डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का उपयोग अनुकरणीयता (ट्रेसेबिलिटी) को मजबूत करता है, फसल कटाई के बाद प्रबंधन को सुधारता है, और डेटा-आधारित निर्णय लेने की प्रकिया को आसान बनाता है।
- ☑ औद्योगिक पार्कों का विकास निवेश को आकर्षित करेगा और स्टार्टअप्स के लिए अनुसंधान, विकास और उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाएगा।
- ☑ वित्तीय प्रौद्योगिकी समाधान विकसित करने से छोटे और मध्यम खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के लिए ऋण तक पहुंच सरल हो सकती है। जिससे विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा।
- ☑ पर्यावरण के अनुकूल पैकेजिंग सामग्री में निवेश करने से खाद्य उत्पादों की स्थिरता में सुधार होता है और एक चक्रीय (सर्कुलर) अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है।

इन अवसरों का लाभ उठाकर, खाद्य प्रौद्योगिकी स्टार्टअप्स खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के आधुनिकीकरण, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और एक स्थायी खाद्य प्रणाली बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। बजट 2024-25 ने भारत में एक सशक्त खाद्य प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र की नींव रखी है।

विषय - सूची

नवीन इन्क्यूबेशन

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में जुलाई माह के दौरान नवीन और अभिनव प्रौद्योगिकियों के साथ नए स्टार्टअप शुरू किए गए हैं। स्टार्टअप्स के बारे में जानने के लिए आगे पढ़ें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 01

मासिक समयरेखा

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में वर्तमान में चल रहे विभिन्न कार्यक्रम अनुभागों में कुछ उत्कृष्ट उपलब्धियों के बारे में जानें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 02

कार्यक्रम की झलकियां

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में वर्तमान में चल रहे विभिन्न कार्यक्रम अनुभागों में कुछ उत्कृष्ट उपलब्धियों के बारे में जानें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 03-04

सफलता की कहानियां

इस भाग में उन प्रेरक स्टार्टअप्स के बारे में जानें जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों से हमारे इनक्यूबेशन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 05

नवप्रवर्तकों से बात

यह खंड हमारे पाठकों को वर्तमान में एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में इनक्यूबेशन के तहत विशिष्ट, नवीन प्रौद्योगिकियों में से एक से परिचित कराता है। क्रांतिकारी प्रगति और परिवर्तनकारी पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में अधिक जानने के लिए इस खंड को पढ़ें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 06

आगामी कार्यक्रम/कार्यशालाएं /अनुदान

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में निर्धारित आगामी अनुदानों, कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का अन्वेषण करें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 07

नवीन इन्क्यूबेशन

i-Learnovate

आईलरनोवेट टेक, जिसकी स्थापना राज अग्निहोत्री और अपर्णा तिवारी द्वारा की गई है, जो अत्याधुनिक तकनीक के साथ व्यक्तिगत और सामुदायिक शिक्षा में क्रांति ला रहा है। उनका मुख्य उत्पाद, आई-लैब्स, एसटीईएम (STEM) लैब्स को वर्चुअल बना देता है, जिससे लैब संसाधनों तक आसानी से पहुँच मिलती है और ग्रामीण क्षेत्रों में नई संभावनाएं खुलती है।

Jeevatva Biosciences
normalizing microbiome

जीवत्व बायोसाइंसेज प्राइवेट लिमिटेड, जिसे पवन कुमार द्वारा स्थापित किया गया है, माइक्रोबायोम-आधारित इलाज़ पर ध्यान देती है जिसका उद्देश्य मेटाबोलिक रि-प्रोग्रामिंग, इंसुलिन की संवेदनशीलता को फिर से बढ़ाना (इंसुलिन रिसेंसिटाइजेश) और सूजन को कम करने में मदद करना हैं।

euphelity

यूफेलिटी, श्री अनंत वैश और मोहम्मद मुजतबा एम मुल्ला द्वारा स्थापित स्टार्टअप दिव्यांग छात्रों (स्पेशल इनेबल्ड स्टूडेंट्स) के लिए कक्षा 5 तक एक सुलभ पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जिसमें माइंड मैप्स, पॉडकास्ट, जीआईएफ (ग्राफिक्स इंटरचेंज फॉर्मेट), एनीमेशन, क्विज़ और गेम्स शामिल हैं, जो दृष्टिहीन छात्रों के लिए स्पीच रिकग्निशन (वाक् पहचान) की सुविधा प्रदान करता है।

Techno Orchard

टेक्नोचर्ड फार्मिंग प्राइवेट लिमिटेड, डॉ. राफिया मुश्ताक और डॉ. अब रऊफ मलिक द्वारा स्थापित स्टार्टअप, बागबानी के कार्यों को सरल बनाने के लिए एआई-आधारित तकनीक विकसित कर रहा है। उनके लागत प्रभावी, मशीनीकृत समाधानों का उद्देश्य सेब उत्पादकता को बढ़ावा देना और छोटे और सीमांत किसानों के आर्थिक हितों की रक्षा करना है।

indespace
Robotics Private Limited

इंडेस्पेस रोबोटिक्स प्राइवेट लिमिटेड, डॉ. अभिषेक वर्मा द्वारा स्थापित स्टार्टअप है, जो पशुपालन और चिकित्सा रोबोटिक्स में नवाचारी समाधान के माध्यम से चिकित्सा और जैव प्रौद्योगिकी सम्बंधित चुनौतियों का समाधान करता है। इस कंपनी ने बिग ग्रांट प्राप्त किया है ताकि वह डिस्टोशिया से पीड़ित डेयरी मवेशियों के लिए एक डाइलेशन डिवाइस विकसित कर सके। उनकी सोच है कि रोबोटिक्स के जरिए समस्याओं का समाधान किया जाए।

19 जून 24

एमएसएमई दिवस पर, एसआईआईसी (SIIC) आईआईटी कानपुर और एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (ASSOCHAM) ने एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग का उद्देश्य उत्तर प्रदेश और इससे बाहर के उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाना, एमएसएमई (MSME) को समर्थन प्रदान करना और नवाचार को बढ़ावा देना है। सहयोग के दौरान एसोचैम (ASSOCHAM) की सहायक महासचिव श्रीमती पूजा अहलूवालिया और एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर-इन-चार्ज प्रो अंकुश शर्मा उपस्थित थे।

24 जून 24

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर और जी.बी. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने कृषि उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस कार्यक्रम में जीबीपीयूएटी (GBPUAT) से डॉ. अजीत सिंह नैन और डॉ. मनमोहन सिंह चौहान, एसआईआईसी (SIIC) आईआईटी कानपुर के प्रो. अमिताभ बंदोपाध्याय और बाईरैक (BIRAC) से डॉ. अमिता जोशी उपस्थित थे। इस सहयोग से स्टार्टअप्स को तकनीकी मार्गदर्शन और समर्थन मिलेगा, जिससे क्षेत्रीय कृषि पारिस्थितिकी तंत्र को उन्नत किया जा सकेगा।

5 जुलाई 24

भारत-आसियान स्केलहब कार्यक्रम 2024 बाली, इंडोनेशिया में, फर्स्ट (F.I.R.S.T.), आईआईटी कानपुर ने आसियान इकोनॉमिक फोरम के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षरकर्ताओं में प्रोफेसर अंकुश शर्मा, प्रोफेसर इंचार्ज एसआईआईसी (एफ.आई.आर.एस.टी.), आईआईटी कानपुर और श्री सचिन विजय गोपालन, निदेशक, आसियान इकोनॉमिक फोरम शामिल थे। इस सहयोग का उद्देश्य आसियान देशों में स्टार्टअप्स के लिए तकनिकी संसाधनों, बाजार के अवसरों और व्यावसायिक संबंधों तक पहुंच प्रदान करना है।

11 जुलाई 24

एसआईआईसी (SIIC) आईआईटी कानपुर ने स्वास्थ्य देखभाल नवाचारों का समर्थन करने के लिए वैश्विक फार्मास्युटिकल अग्रणी बोहरिंगर इंगेलहेम के साथ साझेदारी की है। इस सहयोग के तहत मनस्तिक को सीएसआर अनुदान (CSR Grant) प्रदान की गई है। यह स्टार्टअप भारत का पहला टेली-न्यूरो रिहैबिलिटेशन ऐप विकसित कर रहा है,जो विशेष रूप से डिमेंशिया मरीजों और देखभालकर्ताओं के लिए है। 2023 में, बोहरिंगर ने एक अन्य एसआईआईसी (SIIC) इनक्यूबेटेड स्टार्टअप, लेनेक टेक्नोलॉजीज को भी सहायता प्रदान की, जो टीबी से निपटने के लिए एक अभिनव हैंडहेल्ड एक्स-रे डिवाइस विकसित कर रहा है।

कार्यक्रम

की झलकियां

21 जून को, एसआईआईसी (SIIC) आईआईटी कानपुर ने जैव-उद्यमियों के लिए एक वर्चुअल मिक्सर का आयोजन किया, जिसमें एग्रीटेक और मेडिकल डिवाइसेस के नवप्रवर्तकों को एक साथ लाया गया। इस कार्यक्रम में अत्याधुनिक तकनीकों का प्रदर्शन किया गया और संभावित सहयोगों पर विचार-विमर्श हुआ। प्रतिभागियों ने चर्चाओं में भाग लिया और एसआईआईसी (SIIC) जैव-स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर महत्वपूर्ण और दीर्घकालिक संपर्क बनाए, जिससे जैव-उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक सक्रिय और समृद्ध समुदाय का सृजन हुआ।

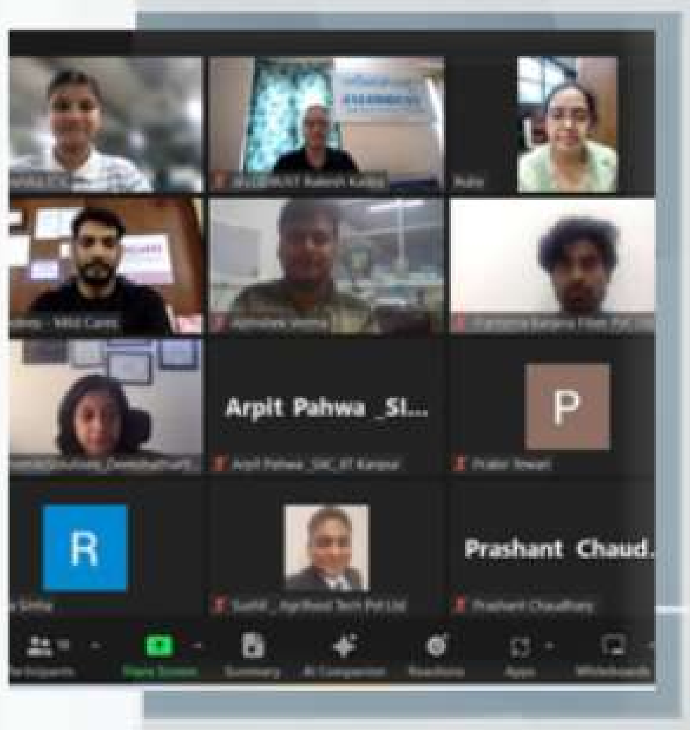

और पढ़ें

24 जून को, एसआईआईसी (SIIC) आईआईटी कानपुर और जी.बी. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने पंतनगर, उत्तराखंड में "एग्रीटेक इनोवेशन एंड स्टार्टअप मीट" का सह-आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना था। दोनों संस्थानों के प्रमुख व्यक्तिगण इस कार्यक्रम में शामिल हुए। स्टार्टअप्स को अपने अभूतपूर्व उद्यमों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच मिला। इस पहल से कृषि क्षेत्र में एक सतत और उन्नत भविष्य की दिशा में नई संभावनाएं सृजित हुई।

और पढ़ें

27 जून को, एसआईआईसी (SIIC) आईआईटी कानपुर ने हमारी उन्नत प्रयोगशाला सुविधाओं के दौरे के लिए इंडियन सोसाइटी फॉर प्लांट फिजियोलॉजी की कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष और केरल कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर आर. चंद्रबाबू की मेजबानी की। उन्होंने प्रोफेसर अमिताभ बंद्योपाध्याय, सह-प्रोफेसर- इंचार्ज, एसआईआईसी (SIIC) के साथ विचार-विमर्श किया। हमारे कृषि स्टार्टअप्स को उनके व्यापक अनुभव और विशेषज्ञता से लाभ हुआ, जिससे उनकी प्रगति और सफलता को मजबूती मिली।

और पढ़ें

एसआईआईसी (SIIC) आईआईटी कानपुर ने 3-5 जुलाई को बाली में आसियान स्केलहब 2024 में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत और आसियान (ASEAN) के बीच आर्थिक संबंधों, नवाचार और स्थिरता को बढ़ावा देना था। इस दौरान चालीस भारतीय स्टार्टअप्स ने निवेशकों और उद्योग विशेषज्ञों के सामने अपने समाधान प्रस्तुत किए, जिससे सहयोग और ज्ञान का आदान-प्रदान हुआ। यह कार्यक्रम भारत, आसियान और उसके सदस्य देशों द्वारा समर्थित था, और इसे गेटस एंटरप्राइज टेक चैनल शिखर सम्मेलन के साथ सह-समारोहित किया गया।

और पढ़ें

कार्यक्रम
की झलकियां

4 जुलाई को, एचडीएफसी बैंक और नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (NSDL) ने आईआईटी कानपुर के आउटरीच सेंटर, नोएडा में "अंडरस्टैंडिंग द प्रोसेस ऑफ़ डिमटेरियलाइजेशन फ्रॉम एन इश्यूअर्स पर्सपेक्टिव."(जारीकर्ता के दृष्टिकोण से डिमटेरियलाइजेशन को समझना) विषय पर एक सत्र का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बाजार की जानकारी, कॉर्पोरेट खाता खोलने की प्रक्रिया, लाभ और प्रक्रियाएं, व्यापार खाते की जानकारी प्रदान की गई और साथ-साथ एक सक्रिय प्रश्नोत्तर सत्र को आयोजित किया गया।

और पढ़ें

5 जुलाई को, श्री राहुल सिंह, आईएएस, आईटी विभाग विशेष सचिव, यूपी सरकार ने एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में एआईआईडीई सेंटर ऑफ़ एक्सीलेन्स (AIIDE-CoE) का दौरा किया। उन्होंने राज्य में स्टार्टअप्स के समक्ष आने वाली समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें बेहतर समर्थन देने के उपायों पर जोर दिया। इस दौरान, उन्होंने एसआईआईसी (SIIC) में इनक्यूबेटेड कई स्टार्टअप्स, जैसे मनोदयम, स्कैलिएंट टेक्नोलॉजीज, एग्रोनेक्स्ट और चेको के साथ बातचीत की।

और पढ़ें

15 जुलाई को "FPO से बात" नामक एक दिलचस्प सत्र को आयोजित किया गया, जिसमें स्टार्टअप्स और किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) ने भाग लिया। इस सत्र में जैव-कृषि उत्पाद वितरण, अनुसंधान एवं विकास संसाधन, और सतत कृषि वित्तपोषण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। स्टार्टअप्स को सहयोग के नए अवसरों की गहन जानकारी मिली, जिससे जैव-खेती क्षेत्र में एक उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त हुआ।

और पढ़ें

गुड़ग्राम्स

ने आसियान इंडिया स्केल हब 2024 में एग्रीटेक वेंडर ऑफ द ईयर का पुरस्कार प्राप्त किया। यह उपलब्धि संस्थापक मानस सेठ और आयुषी सेठ की कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार लाने की गहरी प्रतिबद्धता और उत्कृष्टता को स्वीकृति प्रदान करती है।

और पढ़ें

नवराष्ट्र

‘ॲग्री फूड टेक’कडून प्रशिक्षण

मोफत कार्यशाळा, कौशल्य प्रशिक्षण

एग्रीफूड टेक

की रैपिड राइज़ोम टेक्नोलॉजी हाल ही में एक प्रमुख समाचार पत्र में एक महत्वपूर्ण लेख के साथ राष्ट्रीय स्तर पर सुर्ख़ियों में आई। इस लेख से स्पष्ट होता है कि यह तकनीक कितनी महत्वपूर्ण और नवोन्मेषी है, और इसका लक्ष्य कृषि-खाद्य प्रक्रियाओं में सुधार और उद्योग की दक्षता को बढ़ाना है।

पेविंग +

ने कचरे को उच्च गुणवत्ता वाली निर्माण सामग्री में बदलने के लिए सर्वश्रेष्ठ 60 सेकंड की पिच में जीत हासिल की। इसके अतिरिक्त, इस स्टार्टअप को उनके सतत प्रयासों के प्रति प्रतिबद्धता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के लिए सस्टेनेबिलिटी वेंडर अवार्ड भी मिला।

नाडीपल्स प्रोग्नोस्टिक्स

ने 5 जुलाई को अपने नाड़ी परीक्षण उपकरण, एनपल्स (Npulse) के नैदानिक सत्यापन के लिए आईसीएआईएनई (ICAINE-इन्क्यूबेशन सेंटर फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप) के तहत एआईआईए (ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ़ आयुर्वेद संस्थान), नई दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग का उद्देश्य आयुर्वेद के क्षेत्र में आपसी सहयोग, प्रौद्योगिकियों और सूचनाओं को साझा करके व्यापक साझेदारी को बढ़ावा देना है।

डीजी रक्षक

ने स्वास्थ्य जागरूकता के महत्व पर जोर देते हुए कृति स्कैनिंग सेंटर, प्रयागराज में 21 महिला रोगियों से प्रोटोटाइप-आधारित डेटा को सफलतापूर्वक एकत्र किया। स्टार्टअप ने मरीजों, विशेषकर ग्रामीण इलाकों की महिलाओं को अपनी सेहत के प्रति सतर्क रहने और समय पर इलाज़ करने के लिए प्रेरित किया। यह सक्रिय दृष्टिकोण उनके स्तन स्वास्थ्य जागरूकता और रोगी देखभाल में सुधार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

STARTUP INCUBATION AND INNOVATION CENTRE IIT KANPUR

Aerospace & Defence NITRODYNAMICS

TECH की बात

INNOVATOR KE SATH

नवप्रवर्तकों से बात

पूरे वीडियो को देखने के लिए यहाँ क्लिक करें

नाइट्रोडायनामिक्स

नानाइट्रोडायनामिक्स प्राइवेट लिमिटेड, रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र में अग्रणी है, जो अत्याधुनिक तकनीकों के विकास में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह कंपनी एसआईआईसी (SIIC) में स्थापित है और इसकी अगुआई कमांडर अनुपम प्रसाद कर रहे है, जिनका उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करना हैं। इस विशेष साक्षात्कार में, हम नाइट्रोडायनेमिक्स के ड्रोन (UAVs) जैमर सिस्टम, सिग्नल इंटरसेप्शन और इलेक्ट्रॉनिक सपोर्ट मेजर्स (उपायों) पर किए जा रहे कार्यों पर चर्चा करेंगे।

एसआईआईसी(SIIC): आपके निगरानी ड्रोन कैसे काम करते हैं?

अनुपम प्रसाद (एपी): हम उन्नत निगरानी ड्रोन विकसित कर रहे हैं, जो उच्च-रिज़ॉल्यूशन वाले ऑप्टिकल और इन्फ्रारेड कैमरों से लैस है। ये ड्रोन विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक सपोर्ट मेजर्स (उपायों) के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जो ऑपरेशन माहौल का पूरा तात्कालिक अवलोकन प्रदान करते हैं। इनकी फुर्ती और हल्के डिज़ाइन इन्हें सैन्य निगरानी और खुफिया संग्रहण अभियानों के लिए आदर्श बनाता है। विशेष रूप से, ये ड्रोन दुश्मन के रडार सिस्टम को उनके इलेक्ट्रॉनिक उत्सर्जन से पहचानने, विश्लेषण करने और उनके स्थान का पता लगाने में सक्षम हैं।

एसआईआईसी(SIIC): आपके उत्पाद बाकियों से कैसे बेहतर हैं?

एपी: हमारे युद्धपोत सिमुलेटर नौसैनिक अभियानों के लिए सर्वोत्तम सुरक्षा प्रदान करते हैं। ये सिमुलेटर चालक दल को नियमित गश्त से लेकर उच्च जोखिम वाली स्थितियों तक की विभिन्न चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं। यह उन्नत तकनीक वास्तविक युद्धपोतों के जटिल संचालन को सटीक पुनरावृत्ति करती है, जिससे प्रशिक्षण के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित होता है। RF तकनीकों पर आधारित, हमारा सिग्नल इंटरसेप्शन और डिकोडिंग सिस्टम महत्वपूर्ण खुफिया विश्लेषण में क्रांतिकारी बदलाव लाता है।

एसआईआईसी(SIIC): आपकी तकनीक से रक्षा क्षेत्रों को कैसे लाभ होता है?

एपी: हमारी तकनीक दुश्मन के राडार संकेतों का पता लगाने, उनके कार्यों को बाधित करने और उन्हें अप्रभावी बनाने में अत्यधिक सक्षम है। हमारे अत्याधुनिक ड्रोन और सिमुलेटर सभी तीनों सैन्य क्षेत्रों और सामान्य उड्डयन उद्देश्यों के लिए एक सुरक्षित और किफायती समाधान प्रदान करती हैं। हवाई खतरों के दौरान, हमारे एयरबोर्न एंटी-ड्रोन सिस्टम पायलटों को आसमान में किसी भी आपात स्थिति का प्रभावी ढंग से सामना करने में सक्षम बनाते है।

एसआईआईसी(SIIC): आपको एसआईआईसी से क्या मदद मिली?

एपी: स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर ने हमें एक अभिभावक की तरह सहयोग दिया है। अनुसंधान एवं विकास विंग ने हमारे इनक्यूबेशन की शुरुआत से ही हमे सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान किया। उनकी सलाह, मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता ने हमें देश के लिए अत्याधुनिक उच्च-रिज़ॉल्यूशन और विविध उपयोगी समाधान विकसित करने में सक्षम बनाया।

> ""अपने सपनों का पीछा करो, खुद पर विश्वास रखो।"......कमान्डर अनुपम प्रसाद

अंक - 03 | संस्करण - 07 | जुलाई 2024

आगामी

अनुदान/कार्यक्रम/ कार्यशालाएं

20 अगस्त 2024

इनोवेटर्स कनेक्ट टंडेम 2024

यहां क्लिक करें आवेदन करने के लिए

25 अगस्त 2024

TIDE 2.0 ईआईआर फेलोशिप कार्यक्रम

यहां क्लिक करें आवेदन करने के लिए

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

वित्तपोषण और पर्यवेक्षण

ज्ञान

कृत्रिम बुद्धिमता संवर्ध

उद्योग

अंतर्राष्ट्रीय

सेवा

क्लीनिकल

अंक - 03 | संस्करण - 07 | जुलाई 2024

जुलाई 2024

टेक की बात

आसियान स्केलहब 2024 में एसआईआईसीः नवाचार, आकांक्षा, सशक्तिकरण

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

स्टार्टअप इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

www.siicincubator.com

सिडबी बिल्डिंग, सिक्स्थ एवेन्यू आईआईटी कानपुर
कल्याणपुर, कानपुर उत्तर प्रदेश 208016

इनोवेशन हब, आईआईटी कानपुर आउटरीच सेंटर,
ब्लॉक सी, सेक्टर 62, नोएडा